विषय-सूची

जैनसाहित्यका उद्गम १
श्रुतावतार ५
कषायप्राभृतके रचयिता गुणधर ८
आर्य मक्षु और नागहस्ती ९
गुणधर और धरसेन २०
कषायपाहुड नाम और विषयवस्तु २५
अधिकारो और गाथाओका विभाग २६
कषायपाहुड गाथा सख्या २८
,, की गाथाओका सूत्रत्व ३०
,, शैली ३४
,, विषय परिचय ३५
कर्मसिद्धान्त ३७
षट्खण्डागम—रचनाकाल ४३
,, रचनास्थान ४४
,, रचयिता ४५
,, रूपरेखा निर्माण ४७
,, नाम ५१
संतकम्मपाहुड ५३
खण्डोके नाम ५९
अग्रायणीपूर्वका विवेचन ६५
विषय परिचय
१ जीवट्ठाण ६७
२ खुद्दावन्ध ९२
३ बन्धस्वामित्वविचय ९५
४ वेदनाखण्ड १००
५ वर्गणाखण्ड १२३
१ बन्धन अनुयोगद्वार १३२
२ बन्धक ,, १३५
३ बन्धनीय ,, १३५
कसायपाहुड और षट्खण्डागमका तुलनात्मक विवेचन १४५
छक्खण्डागम और पण्णवणा १४९
,, और कर्मप्रकृति १५०
महाबन्ध १५२
,, स्थितिबन्ध १५७
,, अनुभागबन्ध १५९
,, प्रदेशबन्ध १६३
चूर्णिसूत्र साहित्य १७०
कसायपाहुड और चूर्णिसूत्र १७४
चूर्णिसूत्रोकी रचनाशैली १७८
आगमिक व्याख्यानशैली १८५
छक्खण्डागम और चूर्णिसूत्रोंकी तुलना १९५
अनुयोगद्वार और चूर्णिसूत्र २००
चूर्णिसूत्र—ऐतिहासिक महत्त्व २०१
,, रचयिता २०३
यतिवृषभकी रचनाएँ २०८
चूर्णिसूत्रकी विषयवस्तु २१०
धवलाटीका—नाम २१५
,, महत्व २१६
,, प्रामाणिकता २१७
,, विषयपरिचय २२१
वीरसेन स्वामी २४१
,, गुरु एलाचार्य २४२
,, बहुज्ञता २४३
,, समय विमर्श २४५
,, रचनाएँ २५०

जयधवला–नाम २५२
,, शैली महत्त्व २५२
,, रचनास्थान–काल २५४
जयधवलागत विषयवस्तु २५५
रचयिता वीरसेन–जिनसेन २६०
अन्य व्याख्यानाचार्योंका उल्लेख २६२
छक्खण्डागमकी अन्य टीकाएँ २६३
कुन्दकुन्दकृत परिकर्म २६४
शामकुण्डकृत पद्धति २७४
तुम्बुलुराचार्यकृत चूडामणि २७४
समन्तभद्रकृत संस्कृतटीका २७८
सत्कर्मपंजिका २८४
,, रचनाकाल २९०
अन्य कर्मसाहित्य
कर्मप्रकृति २९३
वृहत्कर्म प्रकृति २९४
कर्मप्रकृति विषयपरिचय २९५
,, कर्ता ३०२
चूर्णिसूत्र और कर्मप्रकृतिचूर्णि ३०६
,, समय ३१०
शतक कर्मग्रन्थ ३११
,, विषयपरिचय ३११
शतकचूर्णि ३१५
सित्तरी ३१८
,, रचयिता–रचनाकाल ३२०
,, विपयपरिचय ३२०
कर्मप्रकृति और सप्ततिका मतभेद ३२१
कर्मस्तव ३२२
,, रचनाकाल ३२४
दि० प्राकृत पञ्चसंग्रह ३२५
जीवसमास और सत्प्ररूपणा ३२८
सप्ततिका और पञ्चसंग्रह ३४०
पञ्चसंग्रहका रचनाकाल ३४७
चन्द्रर्षिकृत पञ्चसग्रह ३५१
ग्रंथकारके द्वारा निर्दिष्ट ग्रथ ३५४
पंचसंग्रहकारका अन्य कार्मिको तथा सैद्धातिकोसे मतभेद ३५४
कर्ता ३५६
समय ३६०
सित्तरी चूर्णि ३६८
रचना काल ३६९
उत्तरकालीन कर्मसाहित्य
उत्तरकालीन कर्मसाहित्य ३७१
लक्ष्मणसुत डड्ढाकृत पंचसग्रह ३७२
रचनाकाल ३७३
विषय परिचय ३७५
सं० प० स०के रचयिता
अमितगति ३८०
गोम्मटसार ३८१
नेमिचन्द्रके गुरु ३८२
नाम ३८९
नामका कारण ३८९
समय ३९३
विषय वस्तु ३९७
कर्मकाड ३९९
वन्धोदय सत्त्वाधिकार ४०६
सत्त्व स्थान भंग ४०७
त्रिचूलिका अधिकार ४०८
वन्धोदय सत्त्व युक्त स्थानं ४०९
प्रत्ययाधिकार ४१०
भावचूलिका ४११
त्रिकरणचूलिका ४११

कर्मस्थितिरचना अधिकार ४१२
लब्धिसार-क्षपणासार ४१२
देवसेनकृत भावसग्रह ४१७
कर्ता और समय ४२०
गर्गर्षि रचित कर्मविपाक ४२९
प्रकृतियोंके स्वरूपमें अतर ४३०
आचार्य गर्गर्षि ४३१
गोविन्द्राचार्य रचित कर्म-स्तव वृत्ति ४३२
वध स्वामित्व ४३२
जिनवल्लभ गणि रचित षडशीति ४३२
देवेन्द्रसूरि रचित नव्य कर्मग्रथ ४३३
कर्मविपाक ४३४
कर्मस्तव ४३४
वधस्वामित्व ४३४
षडशीति ४३५
शतक ४३५
कर्मग्रथो की स्वोपज्ञ टीका ४३५
ग्रंथकार तथा उनका समय ४३६
संस्कृत कर्मग्रथ ४३६
कर्मप्रकृति नामक अन्यग्रथ ४३६
संकलियता का नाम तथा समय ४४०
श्रुतमुनि की रचनाएँ ४४२
भावत्रिभगी ४४२
आस्रवत्रिभगी ४४३
श्रुतमुनि का परिचय और समय ४४४
पचसग्रह की प्राकृत टीका ४४५
सिद्धान्तसार ४५०
ग्रथकार ४५०
सकलकीर्ति का कर्मविपाक ४५२
सिद्धान्तसार भाष्य ४५३
ज्ञानभूषण की दो गुरु-परम्पराएँ ४५४
समय विचार ४५५
त्रिभगी टीका ४६०
रचयिता और समय ४६१
गोम्मटसार की टीकाएँ ४६३
मन्दप्रबोधिका टीका ४६६
कर्ता और रचनाकाल ४६७
जीवतत्त्व प्रदीपिका ४७०
समयविचार ४७३
टीकाका परिचय ४७७
सुमतकीर्तिकी पंचसग्रह वृत्ति ४७७
रचयिता का परिचय ४७८
पञ्चसग्रह वृत्ति ४७९
वामदेव का सस्कृत भावसग्रह ४८२
रचयिता समय ४८४